SOLAPUR UNIVERSITY, SOLAPUR

NAAC Accredited-2015
'B' Grade (CGPA 2.62)

Name of the Faculty - Humanities

CBCS Syllabus

Name of the Course B. A. II Hindi Sem. III

Paper No. IV

With effect from June - 2017-2018

प्रस्तावना:-

हिंदी का मध्ययुगीन काव्य विशिष्ट पृष्ठभूमि को दर्शाता है इसके अध्ययन के बिना किसी भी काल का वास्तविक मूल्यांकन असंभव है। भक्तिकालिन काव्य लोक जागरण का तथा मंगलता का स्वर लेकर उगा है। इस काल की कविता एवं कवियों ने भारत वर्ष की भावनात्मकता, अध्यात्मकता तथा सांस्कृतिक परंपराओं को अबाधित रखा है। रीतिकालीन कविता प्रेम, शृंगार के साथ साथ वीरता भरी है जिसमें कलात्मक अभिव्यंजना उमडकर आती है। अत: इनका अध्ययन समाज तथा संस्कृति को सुरक्षित रखने आवश्यक है। इन्हें समज ने के लिए इन कविताओं का अध्ययन अनिवार्य है।

- **उद्देश्य:-**
  १. भक्तिकाल तथा रीतिकाल की सामाजिक, धार्मिक तथा सांस्कृतिक परिस्थिती एवं परिवेश को अवगत करना.
  २. भक्ति कालीन काव्य में निर्गुण और सगुण भक्ति धारा के माध्यम से प्राचीन तथा मध्ययुगीन संस्कृति का अध्ययन करना।
  ३. रीतिकालीन कविता के माध्यम से शृंगार एवं वीर इस की स्थापना का महत्व विशद करना।
  ४. रीतिकालीन काव्य के माध्यम से प्रेम भावना को अकुंचित रखना।

CBCS PATTERN B. A. II PEPER NO. IV SEM. III

[Credits: Theory-(04), Practical's-(00)]

Total Theory Lectures-(60)

1) मध्यकालीन काव्य:- संपादक, डॉ. रामजी मिश्र, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि. दिल्ली. 51

- **अध्ययनार्थ कविताएँ -** **No of Lectures**

1) कबीर	-	पद	(06)
2) जायसी	-	पद (केवल प्रथम पाँच पद अध्ययनार्थ)	(06)
3) सूरदास	-	पद (शृंगार के पद क्र. 6 से 10 तक अध्ययनार्थ)	(05)
4) तुलसीदास	-	पद (कवितावली बालकांड 6 पद अध्ययनार्थ)	(05)
5) रहीम	-	दोहावली (पूर्ण)	(06)
6) बिहारी	-	बिहारी सतसई (पूर्ण)	(06)
7) भूषण	-	1) शिवराज भूषण	(03)
		2) शिवा बावनी	(03)
8) घनानंद	-	सुजानहित (केवल प्रथम पाँच पद अध्ययनार्थ)	(04)

2) <u>व्याकरण</u>

1. समास (सोदाहरण सामान्य परिचय)	(04)
2. उपसर्ग (सोदाहरण सामान्य परिचय)	(04)
3. प्रत्यय (सोदाहरण सामान्य परिचय)	(04)
4. वाक्य भेद (रचना के आधारपर)	(04)

List of Reference Books:

1. संक्षिप्त भूषण - डॉ. भगवानदास तिवारी
2. कबीर - हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. रामचरीत मानस के चार संभाषण - माधुरी पाटील
4. जायसी ग्रंथावली - आचार्य शुक्ल
5. रहीम के दोहे - आबिद रिजवी - मनोज प्रकाशन, दिल्ली.
6. भक्ती आंदोलन और काव्य - गोपेश्वर सिंह
7. मध्ययुगीन काव्य प्रतिभाएँ - डॉ. रामकली सराफ
8. काव्य की भूमिका - रामधारीसिंह दिनकर
9. मध्यकालीन भारत में भक्ति आन्दोलन - शहाबुद्दीन इराकी
10. हिन्दी-सूफी कवि और काव्य - डॉ सरला शुक्ल
11. हिंदी काव्य का इतिहास - रामस्वरुप चतुर्वेदी
12. भक्ति काव्य यात्रा - रामस्वरुप चतुर्वेदी
13. भक्ति-आन्दोलन और भक्ति काव्य - शिवकुमार मिश्र
14. भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य - मैनेजर पाण्डेय
15. प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य - श्रीमती सुधा
16. भक्ति आन्दोलन और मध्यकालीन हिन्दी भक्ति काव्य - डॉ. सुरेश चंद्र
17. मध्यकालीन हिंदी काव्य में सांस्कृतिक समन्वय - डॉ. अब्दुल बिस्मिल्लाह

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper	Name of the New Paper
1)	हिंदी काव्य, व्याकरण एवं लेखन	हिंदी काव्य, व्याकरण एवं लेखन

Nature of Question Paper

- **प्रश्नपत्र का प्रारुप एवं अंक विभाजन** **अंक**

प्रश्न 1. बहुविकल्पी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (14)
प्रश्न 2. लघुत्तरी प्रश्न (पूरे व्याकरण पर) (8 में से 7) (14)
प्रश्न 3. अ) स संदर्भ व्याख्या (काव्यालोक पर) (3 में से 2) (08)
आ) टिप्पणियाँ (पूरे पाठ्यक्रम पर) (3 में से 2) (06)
प्रश्न 4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) (काव्यालोक पर) (14)
प्रश्न 5. दीर्घोत्तरी प्रश्न (काव्यालोक पर) (14)
कुल अंक **(70)**

SOLAPUR UNIVERSITY, SOLAPUR

NAAC Accredited-2015
'B' Grade (CGPA 2.62)

Name of the Faculty - Humanities

CBCS Syllabus

Name of the Course B. A. II Hindi Sem. IV

Paper No. VI

With effect from June - 2017-2018

<u>प्रस्तावना:-</u>

आधुनिक हिंदी काव्य के रुप में नवीन भावभूमि गतिशीलता को लेकर अवतरित हुआ। आधुनिकता, विश्वजनीनता एवं वैज्ञानिक दृष्टीकोण इसकी प्रमुख विशेषताएँ है। उन्नसवी शती के उत्तरार्ध्द से अद्यावधि तक की संवेदनाएँ, भावनाएँ एवं नूतन विचार सरणियाँ इसमें अभिव्यक्ति हुई है। मनुष्य इसमें अभिव्यंजित हुआ है। अंत: धाराओं में प्रमाण आधुनिक हिंदी काव्य प्रेरणा और उर्जा का अजस्त्र स्त्रोत है। अत: संवेदना तथा ज्ञान क्षितिज के विस्तार के लिए इसका अध्ययन अत्यंत आवश्यक एवं प्रासंगिक है।

- **उद्देश:-**
  १. हिंदी साहित्य के आधुनिक काल की पृष्ठभूमि को सन्मुख रखना।
  २. छायावाद तथा प्रगतिवाद के माध्यम से प्रकृति, मानवी पीडा, संवेदना को सम्मुख रखना.
  ३. स्वंतत्रता के पश्चात की सामाजिक एवं आर्थिक परिस्थिति के साथ साथ मानवी प्रकृतियों को दर्शाना.

CBCS PATTERN B. A. II PEPER NO. VI SEM. IV

[Credits: Theory-(04), Practical's-(00)]

Total Theory Lectures-(60)

1. काव्यालोक: संपादक, डॉ. अनिल साळुंखे, डॉ. गिरीश काशिद, दिव्या डिस्ट्रीब्युटर्स, कानपुर

- **अध्ययनार्थ कविताएँ -** **No of Lectures**

1. मैथिलीशरण गुप्त	-	शिक्षा की अवस्था	(03)
2. निराला	-	भिक्षुक	(03)
3. सुमित्रानंदन पंत	-	मोह	(03)
4. महादेवी वर्मा	-	जाग तुझको दूर जाना है	(02)
5. हरिवंशराय बच्चन	-	नीड़ का निर्माण	(03)
6. दिनकर	-	आग की भीख	(02)
7. नागार्जुन	-	सत्य	(02)
8. अज्ञेय	-	ताज महल की छाया में	(02)
9. मुक्तिबोध	-	मैं तुम लोगों से दूर हूँ	(02)
10. धर्मवीर भारती	-	टूटा पहिया	(03)
11. दुष्यंत कुमार	-	तुम्हारे पाँवों के नीचे कोई जमीन नहीं	(03)
12. केदारनाथ सिंह	-	विद्रोह	(03)
13. धूमिल	-	रोटी और संसद	(03)
14. चंद्रकांत देवताले	-	माँ पर लिख नहीं सकता कविता	(02)
15. अरुण कमल	-	लौ	(02)
16. अनामिका	-	कूडा बीनते बच्चे	(03)
17. निर्मला पुतुल	-	आदिवासी लडकियों के बारे में	(02)
18. कँवल भारती	-	मलाला तूम मर नहीं सकती	(03)

2. व्याकरण एवं लेखन

1) विराम चिह्न का प्रयोग. (03)
2) प्रूफ शोधन चिह्नों का सामान्य परिचय. (04)
3) मशीनी अनुवाद. (04)
4) हिंदी वेब साईडस. (03)

List of Reference Books:

1. डॉ. नामवर सिंह - कविता के नये प्रतिमान - राजकमल प्रकाशन, दिल्ली.
2. भारतभूषण अग्रवाल - हिंदी कविता का वैयक्तिक परिप्रेक्ष - विश्वविद्यालय प्रकाशन, वारणसी.
3. डॉ. रामदरश मिश्र - हिंदी कवित: आधुनिक आयाम, वाणी प्रकाशन, दिल्ली.
4. नंदकिशोर नवल - समकालिन काव्य यात्रा - किताबघर प्रकाशन, दिल्ली.
5. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी - समकालिन हिंदी कविता - राजकमल प्रकाशन, दिल्ली.
6. नंददुलारे वाजपेयी - नई कविता - प्रकाशन संस्थान, दिल्ली.
7. डॉ. रामानंद श्रीवास्तव - नई कविता के परिपेक्ष में - नीलाम प्रकाशन इलाहाबाद.
8. मुक्तिबोध की कविता - डॉ. पद्मा पाटील - कोल्हापुर
9. सुमित्रानंदन पंत - डॉ. नरेंद्र.

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper	Name of the New Paper
1)	हिंदी काव्य, व्याकरण एवं लेखन	हिंदी काव्य, व्याकरण एवं लेखन

Nature of Question Paper

- **प्रश्नपत्र का प्रारुप एवं अंक विभाजन** **अंक**

प्रश्न 1. बहुविकल्पी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(14)
प्रश्न 2. लघुत्तरी प्रश्न (पूरे व्याकरण पर) (8 में से 7)	(14)
प्रश्न 3. अ) स संदर्भ व्याख्या (मध्यकालीन काव्यपर) (3 में से 2)	(08)
आ) टिप्पणियाँ (पूरे पाठ्यक्रम पर) (3 में से 2)	(06)
प्रश्न 4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) (मध्यकालीन काव्य पर)	(14)
प्रश्न 5. दीर्घोत्तरी प्रश्न (मध्यकालीन काव्य पर)	(14)
कुल अंक	**(70)**